(9)

P-1 | R.M.M. Law College - Saharsa. | Subject - Contract-1
Manvendra Mandal | Part - 1
Part time Lecturer

धारा 4. संसूचना कब सम्पूर्ण हो जाती है?
(Communication when complete)

किसी भी प्रकार के वैध्य संविदा के गठन के लिए प्रस्थापना एवं उसके प्रतिग्रहण की संसूचना एक दूसरे पक्षकार को दिया जाना अनिवार्य है। ऐसी संसूचना के अभाव में न तो प्रस्थापना का ही कोई महत्व होता है और न प्रतिग्रहण का ही। इस धारा में प्रस्थापना एवं प्रतिग्रहण की संसूचना के बारे में ही कतिपय नियमों का उल्लेख किया गया है। इस धारा का मुख्य उद्देश्य एक ऐसे समय बिन्दु को निश्चित करना है, जिस पर पक्षकारों को अपनी प्रस्थापना तथा प्रतिग्रहण को विखण्डन करने से प्रवारित किया जा सके।

धारा 4. संसूचना कब सम्पूर्ण हो जाती है - प्रस्थापना की संसूचना तब सम्पूर्ण हो जाती है जब प्रस्थापना उस व्यक्ति के ज्ञान में आ जाती है जिससे वह की गई थी।
प्रतिग्रहण की संसूचना → प्रस्थापनाकर्ता (Proposer) के विरुद्ध तब सम्पूर्ण हो जाती है जब वह उसके प्रति इस प्रकार पारेषण के अनुक्रम में कर दी जाती है कि वह accepter की शक्ति के बाहर हो जाय। संसूचना accepter के विरुद्ध तब सम्पूर्ण हो जाती है जब वह प्रस्थापक के ज्ञान में आ जाती है।
प्रतिसंहरण की संसूचना → यहाँ तक कि उसे करने वाला व्यक्ति का सम्बन्ध है तब पूर्ण हो जाती है जबकि उसके पास भेजने के लिए जिससे की गई पारेषण के अनुक्रम में ऐसे कर दी गई है कि वह उस व्यक्ति की शक्ति से जो कि उसे करता है बाहर हो गई है। उस व्यक्ति के विरुद्ध जिससे प्रतिसंहरण किया गया है, तब सम्पूर्ण हो जाती है, जब वह उसके ज्ञान में आती है।

दृष्टान्त (Illustrations)

(क) A अमुक कीमत पर B को गृह बेचने की पत्र द्वारा प्रस्थापना करता है। प्रस्थापना की संसूचना तब सम्पूर्ण हो जाती जब B को पत्र प्राप्त हो जाता है।

(ख) A की प्रस्थापना का B डाक से भेजे गये पत्र द्वारा प्रतिग्रहण करता है।

Scanned with CamScanner

P-2 धारा 4. संसूचना कब सम्पूर्ण हो जाती है?
(Communication When complete)

प्रतिग्रहण की संसूचना — A के विरुद्ध तब सम्पूर्ण हो जाती है जब पत्र डाक में डाल दिया जाता है।
B के विरुद्ध तब सम्पूर्ण हो जाती है जब A को पत्र प्राप्त हो जाता है।
A अपनी प्रस्थापना का प्रतिसंहरण तार द्वारा करता है।
A के विरुद्ध Revocation तब सम्पूर्ण हो जाती है, जब तार प्रेषित किया जाता है। B के विरुद्ध Revocation तब सम्पूर्ण हो जाता है जब B को तार प्राप्त होता है।
B अपने प्रतिग्रहण का Revocation तार द्वारा करता है। B का प्रतिसंहरण B के विरुद्ध तब सम्पूर्ण हो जाता है जब तार प्रेषित किया जाता है और A के विरुद्ध तब, जब तार उसके पास पहुँचता है।

4. Communication when complete—
The communication of a proposal is complete when it comes to the knowledge of the person to whom it is made.

The communication of an acceptance is complete → As against the perposer, when it is put in a course of transmission to him so as to be out of the power of acceptor.
As against the acceptor, when it comes to the knowledge of the proposer.

The communication of a revocation is complete — As against the person who makes it, when it is put into a course of transmission to the person to whom it is made, so as to be out of the power of the person who makes it.
as against the person to whom it made, when it comes to his knowledge.

Illustration → (a) A proposes by letter to sell a house to B at a certain price.
The communication of the proposal is complete when B receives the letter.
(b) B accepts A's proposal by letter sent by post.

Scanned with CamScanner

P-3 धारा 4. संसूचना कब सम्पूर्ण हो जाती है ?
(Communication When complete)

The communication of the acceptance is complete—

(a) As against A when the letter is posted.

(b) As against B, when the letter is ~~post~~ received by A.

(c) A revokes his proposal by telegram.
The revocation is complete as against A when the telegram is despatched. It is complete as against B when B received it.
B revokes his acceptance by telegram. B's revocation is complete as against B when the telegram is despatched, and as against A when it reaches him.

The end.

Scanned with CamScanner